भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं 4304
19 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि अवसंरचना निधि की प्रगति का मूल्यांकन
4304.श्री अनुराग शर्माः
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) की प्रगति और कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए कोई उपाय किए हैं; और
(ख) यदि हाँ, तो इस कोष ने फसल की कटाई के उपरांत प्रबंधन और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के सृजन को किस प्रकार सुगम बनाया है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख): जी हां, सरकार ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना का मध्यावधि मूल्यांकन किया है। कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र (एईआरसी), पुणे ने दिसंबर 2023 में योजना की प्रगति और प्रदर्शन का मूल्यांकन किया, लाभार्थियों से प्रतिक्रिया प्राप्त की और सुधार के सुझाव दिए। इस मूल्यांकन में किसानों की आय में वृद्धि, कृषि भंडारण क्षमता में वृद्धि, कृषि उपज के लिए फसलोपरान्त और मूल्यवर्धन इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, रोजगार सृजन और कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहन जैसे सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया। अध्ययन के परिणामों का विवरण नीचे दिया गया है:

i. 31% एआईएफ इकाइयों ने सरकारी सब्सिडी का भी लाभ उठाया। इस प्रकार, एआईएफ के अंतर्गत समामेलन के कारण उन्हें लाभ हुआ है।
ii. कुल इकाइयों में से लगभग 85% के लिए, एआईएफ ऋण की उपलब्धता ही इकाई शुरू करने का मुख्य कारण थी।
iii. एआईएफ इकाइयों की परियोजना लागत का औसतन लगभग 40% एआईएफ ऋण द्वारा कवर किया गया।
iv. लगभग 70% इकाइयों ने नए इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए ऋण लिया।
v. एआईएफ इकाई गतिविधियों द्वारा सृजित रोजगार, स्लेक सीजन की तुलना में पीक सीजन में अपेक्षाकृत अधिक था। पीक सीजन में प्रति इकाई नियोजित व्यक्तियों की औसत संख्या 11 पाई गई। यह औसत राजस्थान में सबसे अधिक अर्थात 27 तथा महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम अर्थात 5 थी।
vi. कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के मामले में प्रति इकाई नियोजित व्यक्तियों की संख्या अधिक थी।

vii. नमूना एआईएफ गोदामों, शीत भंडारण इकाइयों और साइलो द्वारा निर्मित कुल क्षमता लगभग 879 हज़ार मीट्रिक टन है। साथ ही, इन इकाइयों का कुल क्षेत्रफल लगभग 2900 हज़ार वर्ग फुट है।

viii. समग्र प्रतिक्रियाओं से एआईएफ इकाइयों के उत्पादों/सेवाओं की संतोषजनक मांग और इन इकाइयों से संतोषजनक आय अर्जन का पता चलता है।

ix. अधिकांश इकाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जो कृषि उत्पादन क्षेत्रों के निकटता को दर्शाता है और व्यक्तियों के मूल्यांकन में सममिलित लगभग 54% का मानना था कि एआईएफ इकाइयों के कारण किसानों की आय में वृद्धि हुई है और उनमें से अधिकांश ने बताया कि आय में वृद्धि बहुत अधिक और संतोषजनक थी।

x. व्यक्तियों के मूल्यांकन में सममिलित लगभग 54% ने महसूस किया कि कुल मिलाकर, एआईएफ सुविधाओं के कारण किसानों को लाभ हुआ है।

30 जून, 2025 तक, एआईएफ के तहत 1,13,419 परियोजनाओं के लिए 66,310 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन स्वीकृत परियोजनाओं ने कृषि क्षेत्र में 107,502 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। एआईएफ के तहत स्वीकृत प्रमुख परियोजनाओं में 30,202 कस्टम हायरिंग सेंटर, 22,827 प्रसंस्करण इकाइयां, 15,982 गोदाम, 3,703 सॉर्टिंग एंड ग्रेडिंग यूनिट, 2,454 कोल्ड स्टोर प्रोजेक्टस, लगभग 38,251 अन्य प्रकार की फसलोपरान्त प्रबंधन परियोजनाएं और व्यवहार्य सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियां शामिल हैं।

******